सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-12
06/01/2018

सामाजिक कुरीतियों को दूर कर बिहार देश के लिए नजीर बनेगा :– मुख्यमंत्री

पटना, 06 जनवरी 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा के क्रम में बेगूसराय जिले के बलिया प्रखंड के नुरजमापुर पंचायत के बरबीग्घी गाँव पहुँचकर सात निश्चय के साथ ही अन्य विकासात्मक योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों का जायजा लिया। जनसभा स्थल मंच पर रिमोट के माध्यम से मुख्यमंत्री ने 56 करोड़ रुपये की लागत वाली 86 योजनाओं का उद्घाटन और 2 अरब 65 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत वाली 376 योजनाओं का शिलान्यास किया। बरबीग्घी गाँव पहुँचकर मुख्यमंत्री ने सबसे पहले बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा बेगूसराय जिला के बलिया प्रखंड अन्तर्गत मुख्यमंत्री पेयजल निश्चय (गुणवत्ता प्रभावित) योजना के तहत नुरजमापुर के अम्बेडकर नगर ग्राम के वार्ड संख्या– 1 में 31.37 लाख रुपये की लागत से निर्मित सौर ऊर्जा स्वचालित मिनी ग्रामीण पाईप जलापूर्ति योजना का उद्घाटन रिबन काटकर और शिलापट्ट का अनावरण कर मुख्यमंत्री ने किया। बरबीग्घी गाँव का भ्रमण कर मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की हकीकत को स्वयं देखा। साथ ही जीविका दीदियों और कई ग्रामवासियों से मुलाकात कर विकास कार्यों की पूरी जानकारी ली। स्थानीय नेताओं ने मुख्यमंत्री को फूल–माला एवं गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत किया। हेलीपैड से बरबीग्घी गाँव जाने के क्रम में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सड़क किनारे खड़े होकर हाथों में दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के विरुद्ध लिखित बैनर पोस्टर के जरिये सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ मुख्यमंत्री के अभियान का समर्थन किया। बरबीग्घी गाँव जाने के क्रम में जगह–जगह ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। बलिया अनुमंडल कार्यालय प्रांगण में बने जनसभा मंच पर जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को पुष्प–गुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया। एन0डी0ए0 कार्यकर्ताओं ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कला जत्था के कलाकारों ने दहेज प्रथा एवं बाल विवाह उन्मूलन के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गायन प्रस्तुत किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भीषण ठंड में इतनी बड़ी संख्या में आप सब उपस्थित हुए हैं, इसके लिए मैं आपको नमन करता हूं और ह्रदय से धन्यवाद देता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि समीक्षा यात्रा के क्रम में हमने तय किया कि उन स्थलों और गांवों में जरूर जाएंगे, जहां विकास यात्रा के क्रम में वर्ष 2009 में गए थे। उन्होंने कहा कि 9 फरवरी 2009 को विकास यात्रा के दौरान हम बरबीग्घी गाँव के पास अपने अधिकारीगण और मंत्रीगण के साथ टेंट लगाकर रात्रि में रुके थे। 10 फरवरी को पटना से बाहर यहाँ एक स्कूल में मैंने कैबिनेट की मीटिंग भी की थी और जनता के दरबार मे मुख्यमंत्री का कार्यक्रम भी हुआ था इसलिए मैं यहाँ के लोगों को नमन करता हूँ तथा इस धरती को मेरा प्रणाम है। उन्होंने कहा कि नुरजमापुर पंचायत के वार्ड संख्या– 1 में विकास कार्यों को देखने हम गए थे और वहां जो काम हुए हैं, उसको देख कर मुझे काफी प्रसन्नता और मन में आत्मसंतोष का भाव पैदा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस कार्यक्रम के माध्यम से जो मांगें उठी हैं, उस पर गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब हम नुरजमापुर पंचायत का भ्रमण कर रहे थे, तब कुछ नौजवान लगातार यहाँ डिग्री कॉलेज बनाने की मांग

करते नजर आए, यह बहुत खुशी की बात है। हम तो चाहते हैं कि बिहार के युवा और अधिक पढ़ें क्योकि यह ज्ञान की धरती रही है और बिहार फिर से ज्ञान की धरती बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें बेहद खुशी होती है जब हमारे युवा पढ़ने की बात करते हैं और हमारे युवा उत्सुक एवं इच्छुक हैं तथा इतने मेधावी हैं कि देश मे कहीं भी नौकरी या नामांकन के लिए परीक्षा हो, सबसे ज्यादा बिहार के बच्चे ही उतीर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि यहां डिग्री कॉलेज खोलने के संबंध में शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को आगे की कार्रवाई करने का निर्देश हमने दे दिया है और डी0एम0 का प्रस्ताव जब उनके पास आयेगा, उसी के आधार पर विभाग आगे की कार्रवाई करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय योजना के तहत हर घर तक पक्की गली–नाली, हर घर शौचालय निर्माण, हर घर बिजली कनेक्शन की उपलब्धता के साथ–साथ हर घर नल का जल अगले 4 वर्षों में हर हाल में पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि लोहिया स्वच्छ बिहार योजना के अंतर्गत जितनी जल्दी संभव हो सके, पूरे बिहार में हर घर में शौचालय निर्माण करवाने की कोशिश में जुटा हुआ हूँ। शौचालय निर्माण को लेकर राष्ट्रीय कार्यक्रम भी है। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर 2017 के पहले हर गांव तक बिजली पहुंचाने का हमारा लक्ष्य था और उसके अनुरूप हर बसावट बिजली पहुंचा दी गई है। अब ऐसे में जो कुछ टोले बचे हैं, वहां अप्रैल 2018 तक बिजली पहुंचा दी जाएगी। वहीं जो भी परिवार हैं, उन तक इस साल के अंत तक बिजली का कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य है।

बापू के चंपारण सत्याग्रह की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सौ साल पहले बापू चंपारण आए थे और हम उसका शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाँधी जी सिर्फ लोगों की बातें नोट करने लगे, जिसके आगे अँग्रेजी हुकूमत को घुटने टेकने पड़े और कानून में उन्हें बदलाव तक करना पड़ा। इस तरह अंग्रेजों के अत्याचार से छुटकारा मिल गया।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पहला राज्य है, जहां पंचायती राज और नगर निकाय के चुनावों में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस बहाली में 35 प्रतिशत का आरक्षण महिलाओं को दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं के लिए पोशाक योजना शुरू की गयी और साइकिल योजना के कारण लड़कियों की संख्या नौवीं क्लास में 1 लाख 70 हजार से बढ़कर वर्तमान में 9 लाख 43 हजार हो गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह का गठन किया जा रहा है और अब तक आठ लाख स्वयं सहायता समूह का गठन हो चुका है, जबकि हमारा लक्ष्य दस लाख स्वयं सहायता समूह गठित करने का है। महिलाओं में जब आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास आएगा, तभी सही मायने में बिहार का विकास होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 4 लाख रूपये का ऋण बैंकों के माध्यम से मुहैया कराने का हमने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा हासिल करने वाले बिहार के युवाओं का ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो 13.9 है, जिसे 30 प्रतिशत से आगे ले जाना है। हमारा मकसद राष्ट्रीय औसत से बिहार को आगे ले जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी अपेक्षा के अनुरुप बैंक काम नहीं कर पा रहे हैं, जिसको देखते हुए हमने तय किया है कि राज्य सरकार अपना एक वित्त निगम बनाकर 12वीं के बाद पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को चार लाख रूपये का ऋण देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर रोजगार की तलाश में जुटे युवाओं को 2 साल तक एक हजार रूपये सरकार मुहैया करा रही है। इसके साथ ही कुशल युवा कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक प्रखंड में 240 घंटे की कम्प्यूटर ट्रेनिंग, संवाद कौशल और व्यवहार कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही हर जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक संस्थान, महिला आई0टी0आई0, जी0एन0एम0 संस्थान और हर सब डिवीजन में

आई0टी0आई0 की स्थापना सात निश्चय योजना के तहत की जा रही है। इसके लिए सभी जिलों में राशि और जमीन भी आवंटित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज की भी स्थापना की जा रही है। तीसरे कृषि रोड मैप की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाना हमारा लक्ष्य है और सिर्फ खेत वाले ही किसान नहीं हैं बल्कि जो खेत में काम करने वाले लोग हैं, वे भी किसान हैं और उनकी भी आमदनी बढ़ाना कृषि रोड मैप का हिस्सा है। कृषि क्षेत्र के विकास के लिए 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर हिंदुस्तानी की थाल में बिहार का एक व्यंजन हो, यह हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर बिहार में 1 अप्रैल 2016 से शराबबंदी लागू हुई, जिसका नतीजा है कि आज पूरे बिहार में शांति और अमन चैन है। जिन पैसों की बर्बादी शराब में हो रही थी, अब उन पैसों का इस्तेमाल बच्चों के भरण–पोषण, शिक्षा–दीक्षा और पहनावे में हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार विधानमंडल के दोनों सदन के सदस्यों, पुलिस महकमे और प्रशासनिक तंत्र के लोगों ने शराबबंदी के लिए संकल्प लिया, उसके बावजूद आज भी कुछ चंद धंधेबाज इस काम में लगे हुए हैं, जो सरकारी तंत्र को घूस देकर उनकी मदद से इस काम में लगे हैं। ऐसे लोगों के प्रति सजग रहना होगा। पुलिस विभाग में एक नया तंत्र अगले एक से डेढ़ माह में विकसित हो जाएगा और अब पुलिस महानिरीक्षक मद्य निषेध का पद भी सृजित किया गया है। उन्होंने कहा कि 12 करोड़ की आबादी वाले बिहार में 6.5 करोड़ से अधिक मोबाइल फोन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में जो बिजली के ट्रांसफार्मर के खंभे हैं, उन पर एक टेलीफोन नंबर लिखा जा रहा है, जिसके माध्यम से आप शराब के कारोबार में जुटे या उसका सेवन कर रहे लोगों के विषय में जानकारी दे सकते हैं। एक घंटे के अंदर पुलिस वहां पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी और सूचना देने वालों का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक संवाद कार्यक्रम में एक महिला सुझाव देने आयी और उसने कहा कि शराबबंदी कर आपने तो बहुत अच्छा काम किया है लेकिन दहेज प्रथा के खिलाफ भी सशक्त अभियान चलना चाहिए। उसके बाद मैंने पूरी तैयारी की और फिर दहेज प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाने का फैसला लिया। अब इन दोनों ही कुरीतियों के खिलाफ सशक्त अभियान पूरे बिहार में चल रहा है क्योंकि दोनों एक दूसरे से जुड़े हुये हैं। उन्होंने कहा कि 18 साल से कम उम्र में जब लड़कियों की शादी होती है, तब कम उम्र में गर्भधारण करने से वह कई बीमारियों की चपेट में आ जाती हैं और वे मौत की शिकार होती हैं या उससे जो बच्चे पैदा होते हैं वे या तो मंदबुद्धि होते हैं अथवा बौनेपन का शिकार भी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के की शादी कानूनन अपराध है। दहेज प्रथा के खिलाफ भी कानून बना हुआ है, बावजूद इसके दहेज प्रथा और बाल विवाह धड़ल्ले से जारी है। उन्होंने कहा कि पहले दहेज प्रथा का चलन संपन्न लोगों तक था लेकिन अब दहेज लेन–देन आमलोगों तक फैल गया है, जिसके कारण दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्या की घटनाएं काफी संख्या में घट रही हैं। उन्होंने कहा कि अपराध के मामले में बिहार पूरे देश मे 22वें स्थान पर है, वहीं दहेज हत्या और दहेज उत्पीड़न के मामले में दूसरे नम्बर पर है जो बहुत ही शर्मनाक है। लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप दहेज का लेन–देन कर शादी करने वालों के विवाह समारोह में शरीक नहीं होने का फैसला और संकल्प ले लें तो समाज से दहेज प्रथा जैसी कुरीति का खात्मा किया जा सकता है। इसमें कोई अपवाद नहीं होना चाहिए। जनसभा में मौजूद लोगों को हाथ उठाकर 21 जनवरी 2018 को बाल विवाह दहेज प्रथा के खिलाफ बनने वाली मानव श्रृंखला के लिये संकल्प दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी सूर्य के समक्ष हाथ उठाकर संकल्प लिए हैं, जिन पर पूरी पृथ्वी और सारी सृष्टि टिकी हुई है। मानव श्रृंखला में एक दूसरे का हाथ पकड़कर अपनी भावना का प्रकटीकरण कीजिएगा।

उन्होंने कहा कि 21 जनवरी 2017 को शराबबंदी और नशामुक्ति के पक्ष में चार करोड़ लोगों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराई थी, इसके लिए आप सबको हृदय से धन्यवाद है, जो एक रिकॉर्ड था। अब उस रिकॉर्ड को भी 21 जनवरी 2018 को सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ बनने वाली मानव श्रृंखला के माध्यम से तोड़ना है ताकि देश के लिए बिहार एक नजीर बने।

जनसभा को श्रम संसाधन मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा, सांसद श्री भोला सिंह, विधायक श्री रामदेव राय, विधायक श्री नरेंद्र कुमार सिंह, विधान पार्षद श्री रजनीश सिंह, विकास आयुक्त श्री शिशिर सिन्हा, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व विधान पार्षद श्री रुदल राय, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह, लोजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रेम पासवान, बेगूसराय जिले के प्रभारी सचिव सह प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृत लाल मीणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज श्री अरविंद चौधरी, सचिव ग्रामीण कार्य विभाग एवं लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मुंगेर प्रमंडल के आयुक्त श्री पंकज कुमार पाल, जिलाधिकारी मो0 नौशाद यूसुफ, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य कुमार सहित अन्य कई वरीय अधिकारीगण, अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में आमलोग उपस्थित थे।

******